पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने मंगलवार को जोधपुर में कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवार करण सिंह उचियारड़ा के समर्थन में आमसभा को संबोधित किया। इस मौके पर पायलट ने एक प्रमुख बात कही जिसके कई राजनीतिक मायने निकाले जा सकते हैं, पायलट ने कहा कि, यह चुनाव किसी एक व्यक्ति विशेष का नहीं है।

यह चुनाव किसी व्यक्ति विशेष का नहीं, देश के भविष्य का है: सचिन पायलट

पायलट ने जोधपुर में कांग्रेस सांसद प्रत्याशी करण सिंह उचियारड़ा के समर्थन में आमसभा को संबोधित किया

- **पायलट 3 अप्रैल को बाड़मेर-जैसलमेर और टोंक-सवाईमाधोपुर पहुंचकर कांग्रेस प्रत्याशी उम्मेदाराम बेनीवाल और हरीश चंद्र मीणा के समर्थन में भी चुनावी सभा को संबोधित करेंगे।**

जयपुर/जोधपुर, 2 अप्रेल । पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने मंगलवार को जोधपुर के उम्मेद स्टेडियम में कांग्रेस सांसद प्रत्याशी करण सिंह उचियारड़ा के समर्थन में आमसभा को संबोधित किया। पायलट ने आमजन को आव्हान करते हुए कहा कि, "लोकसभा का यह चुनाव किसी व्यक्ति विशेष का नहीं है, ना ही यह प्रदेश का है, बल्कि देश के भविष्य का है। हमारे जनतंत्र-गणतंत्र तथा वर्तमान-भविष्य के इस चुनाव को आमजन भी गंभीरता से लें।"

सचिन पायलट ने दावा किया कि इस बार लोकसभा चुनाव परिणाम चौंकाने वाले होंगे, क्योंकि जनता विकास और प्रगति चाहती है, इसका असर चुनाव परिणामों में देखने को मिलेगा। आमजन भाजपा के एजेंडे और रणनीति को समझ चुकी है। पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि चुनाव पहले भी होते थे, सरकारें पहले भी बनती थीं, लेकिन आज 147 सांसदों को बर्खास्त कर पीछे के रास्ते से कानून बनाए जा रहे हैं। भाजपा साजिश के तहत कांग्रेस, एन.एस.यू.आई. और यूथ कांग्रेस के खातों को सीज कर रही है। ये निर्वाचन आयोग की जिम्मेदारी है कि चुनाव के वक्त सभी को बराबर का मौका मिले।

इस आमसभा को पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, जोधपुर लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी करण सिंह उचियारड़ा, कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा, कांग्रेस के राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर रंधावा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और पूर्व सांसद भंवर जितेन्द्र सिंह समेत कई नेताओं ने संबोधित किया।

सूत्रों का कहना है कि सचिन पायलट 3 अप्रेल को लोकसभा क्षेत्र बाड़मेर-जैसलमेर और टोंक-सवाई माधोपुर में पहुंचेंगे। सुबह 11 बजे बाड़मेर जिला मुख्यालय पर आदर्श स्टेडियम में कांग्रेस प्रत्याशी उम्मेदराम बेनीवाल के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद दोपहर 1 बजे टोंक स्थित भूतेश्वर महादेव मंदिर में कांग्रेस सांसद प्रत्याशी हरीश चंद्र मीणा के समर्थन में भी चुनावी सभा कर आमजन से कांग्रेस के पक्ष में वोट मांगेंगे।

राजस्थान पुलिस अकादमी से 15 प्रशिक्षु सब इंस्पैक्टर और हिरासत में लिए एस.ओ.जी. ने

हिरासत में लिए प्रशिक्षु एस.आई. में 2 महिला और 13 पुरूष शामिल हैं

- **एस.आई. भर्ती परीक्षा 2021 में हुए पेपर लीक और फर्जीवाड़े की मांग कर रही एस.ओ.जी. की टीम सभी आरोपियों को मुख्यालय लाकर पूछताछ करने में जुटी है।**

जयपुर, 2 अप्रेल। एस.आई. भर्ती परीक्षा 2021 में पेपर लीक और डमी कैंडिडेट के मामले में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एस.ओ.जी.) की टीम एक बार फिर सक्रिय हो गई है। एस.ओ.जी. ने मंगलवार को राजस्थान पुलिस अकादमी से 15 और प्रशिक्षु एस.आई. को पूछताछ के बाद हिरासत में लिया है।

एस.ओ.जी. के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक वी.के. सिंह ने बताया कि, एस.आई. भर्ती परीक्षा 2021 में डमी अभ्यर्थी बैठाने व परीक्षा से पहले पेपर लेने के मामले में की बड़ी संख्या में शिकायतें एस.ओ.जी. को मिली थी। इसी मामले में एस.ओ.जी. पहले से अनुसंधान कर रही है। शिकायतों की जांच व पेपर लीक गिरोह से मिले इनपुट के बाद इन सभी मंगलवार को 15 प्रशिक्षु एस.आई. को हिरासत में लिया गया है।

उन्होंने बताया कि, मामले में एस.ओ.जी. की टीम मंगलवार सुबह करीब 9.30 बजे राजस्थान पुलिस अकादमी पहुंची। टीम ने तीन घंटे तक प्रशिक्षु एस.आई. से पूछताछ की। इसके बाद 15 एस.आई. को डिटेन किया गया है। इनमें 2 महिला और 13 पुरुष सब इंस्पेक्टर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि, डमी अभ्यर्थी बैठाकर एस.आई. बनने व परीक्षा से पहले पेपर लेने के सबूत जिनके खिलाफ मिलेंगे, उनको गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि, अनुसंधान में जैसे-जैसे सबूत मिलेंगे, उसी आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

सूत्रों के अनुसार, एस.ओ.जी. को आर.पी.ए. पहुंचने पर पता चला कि, प्रशिक्षु एस.आई. की क्लास चल रही है। एस.ओ.जी. क्लास में पहुंची और सूची में से नाम देखकर उन्हें बस में बैठने के निर्देश दिए। सूत्रों के मुताबिक कुछ एस.आई. ने क्लास चलने का हवाला दिया तो टीम ने कहा कि, हो ट्रेनिंग पूरी हो गई। अब एस.ओ.जी. मुख्यालय में कार्रवाई होगी। हिरासत में लिए गए 15 एस.आई. में अधिकांश परीक्षा की मैरिट सूची में शामिल हैं।

गौरतलब है कि, जयपुर के हसनपुरा स्थित परीक्षा केंद्र रविंद्र बाल भारती सीनियर सेकेंडरी स्कूल से एस.आई. भर्ती परीक्षा-2021 का पेपर लीक हुआ था। एस.ओ.जी. ने मामले में पहले ही 17 प्रशिक्षु थानेदारों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें 9 महिला थानेदार शामिल हैं। पूछताछ के बाद सभी आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। गिरफ्तार हुए अशोक सिंह नाथावत व राजेन्द्र यादव का भी एस.आई. भर्ती परीक्षा में चयन हुआ था, लेकिन दोनों ने प्रशिक्षण लेने के लिए पहुंचे ही नहीं थे। एसआई भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामला उजागर होने से पहले राजेन्द्र यादव को कनिष्ठ अभियंता पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किया गया था। आरोपी अशोक को वरिष्ठ अध्यापक पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किया गया था। जांच एजेंसी को पूर्व में गिरफ्तार प्रशिक्षु एस.आई. से कई अहम जानकारी मिली थी। इसमें सामने आया है कि आर.पी.ए. में ट्रेनिंग कर रहे कई और प्रशिक्षु एस.आई. ने परीक्षा में अपनी जगह डमी कैंडिडेट बैठाए थे।

एस.ओ.जी. ने रिमांड के दौरान सभी ट्रेनी एस.आई. की डमी परीक्षा ली थी। ट्रेनी एस.आई. को वही पेपर हल करने के लिए दिया था, जो साल 2021 की परीक्षा में आया था। इस दौरान 17 ट्रेनी एसआई 20 प्रतिशत भी पेपर हल नहीं कर पाए। वहीं, 400 ट्रेनी एस.आई. 50 प्रतिशत प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाए थे।

भाजपा सांसद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रकाश ने कहा, अजय ने बिना किसी शर्त के कांग्रेस जॉइन की है। वह बिहार में तीसरे सांसद हैं, जिन्होंने कांग्रेस जॉइन की है।

अन्य जिन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की है उनमें पप्पू यादव शामिल हैं जो गुरूवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगे।

आप नेता ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दी जाती है तो उसे कोई आपत्ति नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपनी गिरफ्तारी और मनी लॉन्डरिंग केस में हिरासत को चुनौती देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

साठ साल पुराना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्थिति पैदा कर रहा है। सुप्रिया ने शरद पवार की विकास की विरासत को जारी रखा है, जबकि, सुनेत्रा ने सामाजिक व शिक्षा के क्षेत्र में पवार परिवार की विरासत को जीवित रखा है। उन्होंने विद्या प्रतिष्ठान जैसे इन्स्टिट्यूट तथा टैक्स्टाइल पार्क जैसे अन्य प्रोजैक्ट स्थापित किए हैं। उन्नीस सौ साठ के दशक और वर्तमान समय में अंतर यह है कि, इस बार परिवार ऊपर से नीचे तक विभाजित हो गया है। तथापि, वर्तमान परिस्थिति में अजित पवार अपने परिवार के अंदर अलग-थलग पड़ गए हैं, उनके छोटे भाई भी शरद पवार कैंप में चले गए हैं। बारामती सीट को लेकर वर्तमान में जो राजनीतिक संघर्ष है, वो उस युग के बिल्कुल विपरीत है जब शरद पवार अपने भाई की महत्वाकांक्षाओं से जूझ रहे थे। अजित पवार के वर्तमान रुख ने एक ऐसी स्थिति पैदा कर दी है, जिसमें 64 वर्ष पूर्व का युद्धक्षेत्र व परिदृश्य पुन: सृजित हो गया है और जिसने पवार परिवार में और बड़ी खाइयाँ पैदा कर दी हैं।

शांति धारीवाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनके बेटे को विधानसभा चुनाव में टिकट देने का भी मजबूत आश्वासन दिया गया है। चर्चा है कि शांति धारीवाल अपनी बहू के इस राजनैतिक निर्णय के खिलाफ हैं।

'एक तरफ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दी है, उनके लिए पेंशन योजना बनाई है। भाजपा सरकार देश के 80 करोड़ जरूरतमंदों को मुफ्त राशन दे रही है। इतना ही नहीं, भाजपा सरकार पहले निर्णय कर चुकी है कि आने वाले 5 सालों तक मुफ्त राशन मिलता रहेगा।

गरीब के घर का चूल्हा बुझने नहीं देंगे। कोई भी भूखे पेट नहीं रहेगा, किसी बच्चे के भूखा सोने की नौबत नहीं आएगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी सभा को संबोधित किया और कहा कि, कांग्रेस ने गरीबी हटाओ का नारा दिया, लेकिन कभी गरीब का उत्थान नहीं हुआ। देश में अगर गरीबों का उत्थान हुआ, देश में गरीब का कल्याण हुआ तो 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में हुआ है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में आज देश का विश्व स्तर पर स्वाभिमान बढ़ा है। अगर कहीं गारंटी की भी गारंटी है तो वो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी है।

भजनलाल ने कहा कि हमारी सरकार को 3 महीने कुछ दिन हुए हैं, लेकिन हमने 45 फीसदी वादे पूरे किए।

सुरक्षाबलों की कार्रवाई में छत्तीसगढ़ में 10 नक्सलियों की मौत

इस घटना के बाद छत्तीसगढ़ में हुये तीन साल पुराने एक बड़े एनकाउंटर को याद किया जा रहा है, जिसमें 22 सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए थे

- **3 अप्रेल 2021 को कोबरा-210 बटालियन व जिला पुलिस बल के जवान एक नक्सली ऑपरेशन से वापस लौट रहे थे। लेकिन, अचानक रास्ते में टेकलगुड़ा गांव में नक्सलियों ने जवानों पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। नक्सलियों के इस हमले में कोबरा-210 बटालियन व जिला पुलिस के 22 जवान शहीद हो गए थे।**

रायपुर, 2 अप्रेल। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में मंगलवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में अब तक 10 नक्सली मारे जा चुके हैं। इस घटना के बाद तीन साल पुराने एक बड़े एनकाउंटर को याद किया जा रहा है जिसमें 22 सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए थे। दरअसल, 3 अप्रैल 2021 को बीजापुर और सुकमा की सीमा पर नक्सलियों के खिलाफ बड़ा ऑपरेशन लॉन्च किया गया था। कोबरा 210 बटालियन व जिला बल के जवान इस ऑपरेशन से वापस लौट रहे थे। अचानक टेकलगुड़ा गांव में नक्सलियों ने जवानों ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। नक्सलियों के इस हमले में कोबरा 210 बटालियन व जिला पुलिस के 22 जवान शहीद हो गए थे।

साल 2021 से पहले कोबरा बटालियन को इतना बड़ा नुकसान पहले कभी बस्तर में नहीं हुआ था। इस नुकसान के बाद नक्सलियों का मनोबल आसमान में पहुंच गया क्योंकि नक्सलियों के खिलाफ कोबरा बटालियन को सबसे मजबूत फोर्स माना जाता है।

इस घटना के बाद से बस्तर में पूरी तरह से अघोषित रूप से नक्सलियों के खिलाफ बड़े ऑपरेशन में रोक लगा दिया गया था। इस दौरान कोबरा बटालियन व जिला बल ने नक्सलियों के खिलाफ छोटे-छोटे ऑपरेशन लॉन्च कर जवानों का मनोबल बढ़ाया। सुरक्षाकर्मियों ने बस्तर में जमकर पसीना बहाया। तीन साल पूरा होने से एक दिन पहले सुरक्षाबलों ने एक बड़े एनकाउंटर को अंजाम दिया। अब तक इस मुठभेड़ में 10 नक्सलियों की मौत हो गई है।

कोबरा 210 बटालियन व डीआरजी के जवानों ने अपने शहीद साथियों का बदला नक्सलियों से बिलकुल उसी अंदाज में लिया जिसके लिए कोबरा बटालियन व डीआरजी के जवान जाने जाते हैं। अब तक कोबरा की 210 बटालियन व डीआरजी के संयुक्त बल के जवानों ने 10 नक्सलियों को मार गिराया है।

पूर्व प्र.मंत्री मनमोहन सिंह आज राज्यसभा से रिटायर होंगे

नई दिल्ली, 2 अप्रेल। राज्यसभा में 33 साल की लंबी पारी खेलने के बाद पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह मंगलवार को रिटायर हो गए। उनके साथ ही राज्यसभा के 54 सांसदों का कार्यकाल भी खत्म हो रहा है। इनमें से कई सांसद लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं तो कई सांसद ऐसे हैं जिनकी राज्यसभा में वापसी भी हो रही है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह 3 अप्रैल यानी बुधवार को राज्यसभा से रिटायर हो रहे हैं तो वहीं कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी राज्यसभा में डेब्यू करने जा रही हैं। वे अब तक लोकसभा सांसद रहीं लेकिन इस बार रायबरेली से चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है।

- **मनमोहन सिंह के साथ राज्यसभा से कुल 54 सांसद रिटायर हो रहे हैं। इनमें आठ वर्तमान केन्द्रीय मंत्री हैं, तथा इनमें से कुछ लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं।**

सिद्धारमैया राजनीति से सन्यास लेंगे, डी.के. शिवकुमार की राह आसान हुई

मु.मंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि, वे उम्रदराज हो गये हैं तथा भविष्य में कोई चुनाव लड़ने की इच्छा नहीं है

- **दरअसल, सिद्धारमैया से पूछा गया था कि, क्या वे फिर से विधानसभा चुनाव में वरुणा सीट से लड़ेंगे। इसके जवाब में उन्होंने अपने रिटायरमेंट प्लान का पहले ही संकेत दे दिया। 77 साल के नेता ने कहा कि, मेरी उम्र बढ़ रही है। मैं आने वाले समय में कितने दिनों तक इसी ऊर्जा के साथ काम कर सकूंगा, यह अहम सवाल है।**

बैंगलुरु, 2 अप्रेल। कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद मु.मंत्री पद को लेकर संघर्ष छिड़ गया था। कई दिनों तक खींचतान के बाद हाईकमान डीके शिवकुमार को राजी कर पाया था और फिर सिद्धारमैया को एक बार फिर मुख्यमंत्री का पद मिल गया। अब भी डीके शिवकुमार के समर्थक अकसर अपना दुख जाहिर करते रहते हैं। इस बीच सिद्धारमैया का एक बयान डीके शिवकुमार के समर्थकों को राहत दे सकता है। सोनिया गांधी और राहुल गांधी के करीबी डीके शिवकुमार आज भी कर्नाटक की राजनीति में एक ध्रुव हैं।

अब सिद्धारमैया ने रिटायरमेंट के संकेत दे दिए हैं। उन्होंने मैसुरु में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि वह भविष्य में कोई भी चुनाव नहीं लड़ना चाहेंगे। इसकी वजह यह है कि उनकी उम्र बढ़ रही है और स्वास्थ्य की समस्याएं हैं। दरअसल उनसे पूछा गया था कि क्या वह फिर से विधानसभा चुनाव में वरुणा सीट से लड़ेंगे। इसके जवाब में उन्होंने अपने रिटायरमेंट प्लान का ही संकेत दे दिया। 77 साल के नेता ने कहा कि मेरी उम्र बढ़ रही है। मैं आने वाले समय में कितने दिनों तक इसी ऊर्जा के साथ काम कर सकूंगा, यह अहम सवाल है।

उन्होंने कहा, मेरी उम्र 77 साल हो गई है। मु.मंत्री और विधायक के तौर पर अभी मेरा 4 साल का यह कार्यकाल बचा है। जब तक मेरा यह कार्यकाल समाप्त होगा, मेरी उम्र 81-82 होगी। ऐसे में मैं उस उम्र में कैसे उसी ऊर्जा के साथ काम कर पाऊंगा। सिद्धारमैया ने कहा कि मैंने 1978 में राजनीति में एंट्री की थी और रिटायरमेंट तक मेरे 50 साल ही पूरे हो जाएंगे। दरअसल कर्नाटक में बीते कुछ समय से लगातार कयास लग रहे हैं कि लीडरशिप में चेंज हो सकता है। उन्होंने अपनी वरुण विधानसभा सीट की जनता से अपील करते हुए कहा कि लोकसभा इलेक्शन में कांग्रेस कैंडिडेट को यहीं से 60 हजार वोटों की लीड मिल जाए। ऐसा हुआ तो फिर जीत आसान हो जाएगी।

बता दें कि डीके शिवकुमार प्रदेश अध्यक्ष हैं और फिलहाल डिप्टी मु.मंत्री भी हैं। माना जाता है कि उनके मुख्यमंत्री न बन पाने के चलते ही कांग्रेस लीडरशिप ने उन्हें दो अहम पद दे रखे हैं। शिवकुमार ने कभी अपनी मु.मंत्री बनने की महत्वाकांक्षा को छिपाया भी नहीं है।

क्या यह ज़मीनी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि उसे अब उन्हें और हिरासत में रखने की जरूरत नहीं है।

अब यह देखना शेष है कि क्या निकट भविष्य में मनीष सिसोदिया को भी जमानत मिल सकती है।

ई.डी., सी.बी.आई., और इनकम टैक्स द्वारा विपक्ष के नेताओं को जिस तरीके से निशाना बनाया जा रहा है, उससे बेचैनी व असहजता का एक माहौल बन चुका है।

इसके अलावा जिस तरीके से वे नेता भाजपा में शामिल हुए जिन पर केस लगे हुए थे और भाजपा में शामिल होने के बाद उन्हें क्लीन चिट दे दी गई जो केन्द्र में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार द्वारा पूर्णरूप से सत्ता के दुरुपयोग को दर्शाता है।

मजेदार बात यह है कि भाजपा ने गरीब तबके के लोगों से फीडबैक प्राप्त किया है कि समस्या तो है और मोदी ब्रॉण्ड खतरे में है।

तेलंगाना व कर्नाटक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहता है कि वह एक बार फिर से प्रधानमंत्री बन गया तो उसके सपने पूरे कर देगा। यह मजाकियां संवाद तब तक चलते रहते हैं जब तक कि वह यह नहीं कहता है कि तो फिर मौसी "मेरे मित्र मोदी के बारे में क्या सोचा। वो मौसी उस व्यक्ति को अपने घर से धक्का मारकर बाहर निकालती हुई कहती है कि कोई ऐसे व्यक्ति का चुनाव भला क्यों करेगा और वह उसे वोट नहीं देगी।

फिर सीन कट होने के बाद मोदी जी का वह फेमस क्लिप आता है- "अरे हम तो फ़कीर आदमी है, झोला लेकर चल पड़ेंगे जी।"

रोचक बात यह है कि, अब कांग्रेस रचनात्मकता में भी भाजपा से प्रतिस्पर्धा कर रही है। लोकप्रिय फिल्मों, गानों और विज्ञापनों की पैरोडी का अक्सर उपयोग किया जाता है, राजनीतिक संदेश देने के लिए। इस प्रश्न पर कि, राजनीतिक पार्टियाँ अपने संदेश देने के लिए इस प्रकार की रचनात्मकता का उपयोग क्यों करती हैं, एडवरटाइज़िग जगत के एक प्रोफेशनल ने कहा, "क्योंकि ये गाने और विज्ञापन पहले से लोकप्रिय होते हैं और स्मृति में उनके बने रहने की बात साबित हो चुकी होती है।"

ज्ञातव्य है कि, राहुल गांधी ने जी.एस.टी. को गब्बर सिंह टैक्स की संज्ञा दी थी। यह भी ज्ञात है कि, शोले फिल्म में गब्बर सिंह का चरित्र अन्य बड़े स्टार्स के ऊपर छा गया था और उसके डायलॉग बहुत अधिक लोकप्रिय हुए थे।

बिस्कुट के एक बहुत लोकप्रिय ब्राण्ड की सेल्स और मार्केटिंग कैम्पेन की टैग लाइन थी- "गब्बर की असली पसंद।"

आज भी गब्बर सिंह और शोले फिल्म 70 के दशक से लेकर अभी तक, कई पीढ़ियों के ज़हन में जीवित है।

'जेल में फाइलें लाना नैतिक रूप से ठीक नहीं, केजरीवाल को इस्तीफा दे देना चाहिये'

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस अजय रस्तोगी ने केजरीवाल को यह सलाह दी

- **जस्टिस अजय रस्तोगी ने कहा कि, यदि कोई संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति हिरासत में है तो फिर उसका जिम्मेदारी वाले पद पर बने रहना ठीक नहीं है।**
- **जस्टिस रस्तोगी ने कहा, मैं समझता हूं कि, जनप्रतिनिधित्व कानून के सैक्शन 8 और 9 में अयोग्यता का प्रावधान है। इसमें कई बातें कही गई हैं। उन्होंने कहा कि, दिल्ली में कैदियों के लिए बने कानून में भी कई बातें कही गई हैं। इसके तहत किसी भी कैदी तक कोई दस्तावेज सीधे तौर पर नहीं जा सकता।**

नई दिल्ली, 2 अप्रेल। यदि कोई संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति हिरासत में है तो फिर उसका जिम्मेदारी पर बने रहना ठीक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज जस्टिस अजय रस्तोगी ने दिल्ली के मु.मंत्री अरविंद केजरीवाल को यह सलाह दी है। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात नहीं है कि यदि कोई हिरासत में है, तब भी अपने पद पर बना रहे। उनकी यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है, जब भाजपा समेत एक वर्ग अरविंद केजरीवाल से इस्तीफे की मांग कर रहा है। उन्हें ई.डी. ने गिरफ्तार कर लिया था और शराब घोटाले के केस में वह फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं।

जस्टिस रस्तोगी ने कहा, मैं समझता हूं कि जनप्रतिनिधित्व कानून के सेक्शन 8 और 9 में अयोग्यता का प्रावधान है। इसमें कई बातें कही गई हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कैदियों के लिए बने कानून में भी कई बातें कही गई हैं। इसके तहत किसी भी कैदी तक कोई दस्तावेज सीधे तौर पर नहीं जा सकता। उसे पहले जेल अधीक्षक देखेंगे और फिर उन्हें कैदी तक भेजा जाएगा। संवैधानिक पद की शपथ में गोपनीयता भी शामिल है। ऐसे में दिल्ली में कैदियों के लिए बना यह नियम अरविंद केजरीवाल को जेल से ही सरकार चलाने और फाइलों पर साइन करने की परमिशन नहीं देता।

उन्होंने कहा कि यदि ऐसे नियम हैं तो फिर यह सही समय है कि अरविंद केजरीवाल फैसला लें कि उन्हें अपने पद पर बने रहना चाहिए या नहीं। आखिर इससे किसे फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा, आप मुख्यमंत्री जैसे शीर्ष पद पर हैं, जो सार्वजनिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है। नैतिकता यह कहती है कि उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। आप पिछले उदाहरण भी देख सकते हैं। जयललिता, लालू प्रसाद यादव जैसे नेताओं ने भी रिजाइन कर दिया था।

इसके अलावा हेमंत सोरेन ने भी इस्तीफा दिया ही था। आप हिरासत में मु.मंत्री के तौर पर कोई फाइल मंगाकर साइन नहीं कर सकते। मेरा स्पष्ट मत है कि नैतिकता के मुताबिक इस्तीफा देना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज ने कहा कि सरकारी कर्मचारी को लेकर कानूनी एजेंसियों की ओर से गिरफ्तारी पर जो नियम हैं, वह भी यही कहते हैं। वह कहते हैं, आप सरकारी सेवा को ही देखिए।

यदि कोई सरकारी कर्मचारी 48 घंटे तक पुलिस की हिरासत में रहता है तो फिर उसे निलंबित कर दिया जाता है। कोई यह नहीं देखता कि आखिर केस की मेरिट क्या है। अब आप हिरासत में हैं और भगवान ही जानता है कि कब तक रहेंगे। यदि हिरासत में रहने के दौरान पद छोड़ने की बात संविधान में नहीं लिखी है तो फिर पद पर बने रहने का हक तो नहीं मिल जाता।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908